11.11.2016

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया का वार्षिक दीक्षांत समारोह–2016 संपन्न

जामिया मिल्लिया इस्लामिया का वार्षिक दीक्षांत समारोह–2016 आज दिनांक 11 नवंबर, 2016 को मंसूर अली ख़ान पटौदी खेल परिसर (भोपाल ग्राउंड) जामिया मिल्लिया इस्लामिया में संपन्न हुआ ।

डॉ. महेन्द्र नाथ पांडे, माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री इस समारोह के मुख्य अतिथि एवं प्रो. एम.सी. मिश्रा, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान समारोह के विशिष्ठ अतिथि थे।

प्रो. तलत अहमद, कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने अपने संबोधन के दौरान 9 संकायों, 39 विभागों, 30 महत्वपूर्ण केन्द्रो, 253 पाठ्यक्रमों, 991 संकाय सदस्यों और लगभग 17500 विद्यार्थियों का उल्लेख किया और विगत वर्षों में जामिया द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों तथा जामिया में हाल ही में शुरू किए गए विभागों और केन्द्रों की जानकारी दी।

डॉ. महेन्द्रनाथ पाण्डे, माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री ने अपने संबोधन में डिग्री/डिप्लोमा और पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और जामिया में परम्परा, आधुनिकता और तकनीकी के मिश्रण से तैयार एक नए प्रकार के शैक्षिक वातावरण पर प्रसन्नता ज़ाहिर की। उन्होंने शिक्षा के महत्त्व को उपनिषदों और कुरान शरीफ़ के हवाले से स्पष्ट करते हुए कहा कि उपनिषद में दीक्षांत का विशेष अर्थ है जिसमें दीक्षांत के समय गुरू अपने शिष्य से यह कहता है कि शिष्य को गुरु के गुणों को ग्रहण करना चाहिए, यदि गुरू में कुछ अवगुण भी हैं तो उनकी उपेक्षा कर देनी चाहिए। इसी प्रकार कुरान शरीफ़ की आयत के हवाले से बताया कि पैगम्बर साहब की हिदायत है कि तालीम के लिए चीन तक भी जाना पड़े तो जाइए। माननीय मंत्री जी ने यह भी कहा कि जामिया के शैक्षिक विकास के लिए जितनी भी आर्थिक सहायता की आवश्यकता कुलपति महोदय महसूस करेंगे उसकी पूर्ति में हमारे मंत्रालय की तरफ से किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी।

इससे पूर्व प्रो. एम.सी. मिश्रा, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनसे अपने अनुभव सांझा किए और पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के साथ एक कार्यक्रम के दौरान उनसे किए गए एक प्रश्न की चर्चा की, जिसमें एक रेजिडेंट डॉक्टर ने कलाम साहब से पूछा था कि अगले जन्म में वह क्या बनना चाहेंगे? तब कलाम साहब ने कहा था कि मैं अगले जन्म में शिक्षक बनना चाहूँगा। इस बात से उन्होंने शिक्षक और शिक्षा का महत्व बताते हुए छात्रों को अपने जीवन में निरंतर उपलब्धि हासिल करने को प्रेरित किया।

दीक्षांत समारोह–2016 में कुल 4,627 डिग्री/डिप्लोमा उन छात्रों को प्रदान किए गए जिन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न संकाय/विभाग/केन्द्र से वर्ष 2015 में एम.फ़िल, स्नातकोत्तर, स्नातक और डिप्लोमा पाठ्यक्रम सफ़लतापूर्वक पूरा किया।

दीक्षांत समारोह के दौरान मुख्य अतिथि डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डे, माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, विशिष्ठ अतिथि प्रो. एम.सी. मिश्रा, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री एम.ए. ज़की ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के टॉपर्स को 169 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए और साथ–साथ शोध कार्य पूरा करने वाले कुल 263 छात्रों को पीएच.डी. की डिग्री भी प्रदान की गई ।

इस दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री एम.ए. ज़की, सम–कुलपति, प्रो. शाहिद अशरफ़, कुलसचिव श्री ए.पी. सिद्दिक़ी, आईपीएस, डीन, विभागाध्यक्ष, केंद्रों के निदेशक, संकाय सदस्य, विद्यार्थी और मीडियाकर्मी शामिल थे।

प्रो. साइमा सईद
मानद उप मीडिया समन्वयक
मो. 9891 22 7771